



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 232]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 24, 2012/ज्येष्ठ 3, 1934

No. 232]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 24, 2012/JYAISTHA 3, 1934

रक्षोपाय महानिदेशालय

(सीमा-शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क)

रक्षोपाय जांच प्रारंभ करने का नोटिस

[सीमा-शुल्क टैरिफ के नियम 6 के अधीन (रक्षोपाय शुल्क की पहचान और मूल्यांकन) नियम, 1997]

नई दिल्ली, 23 मई, 2012

विषय : भारत में डायोक्टायल थैलेट (डीओपी) के आयात से संबंध में रक्षोपाय जांच की शुरुआत।

सा.का.नि. 383(अ).—मै0 केएलजे प्लास्टिसाइजर्स लि0, मै0 एन के पोलिमर्स एवं एडिटिव्स मैन्यू.कं., दमन, मै0 पायल पोलीप्लास्ट लि0, दमन और मै0 पीसीएल ऑयल एंड साल्वेंट्स लि0, दमन ने भारत में आयात किए गए डायोक्टायल थैलेट के बढ़ते आयातों की वजह से हुई गंभीर क्षति के कारण डायोक्टायल थैलेट(डीओपी) के घरेलू उद्योग उत्पादकों को बचाने के लिए, सीमा शुल्क टैरिफ के नियम 5 (रक्षोपाय शुल्क की पहचान और मूल्यांकन) के अधीन डायोक्टायल थैलेट (डीओपी) के आयात पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए मेरे समक्ष एक आवेदन किया है।

2. घरेलू उद्योग: डायोक्टायल थैलेट (डीओपी) के आयातों पर रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए मै0 केएलजे प्लास्टिसाइजर्स लि0, मै0 एन के पोलिमर्स एवं एडिटिव्स मैन्यू.कं., दमन, मै0 पायल पोलीप्लास्ट लि0, दमन और मै0 पीसीएल ऑयल एंड साल्वेंट्स लि0, दमन ने आवेदन दायर किया है। आवेदकों ने, एक साथ, भारत में उक्त उत्पाद के कुल उत्पादन का 91% को संज्ञान में लिया है।

3. संबद्ध उत्पाद: विचाराधीन उत्पाद बीआईएस(2-एथाइलेक्सिल) थैलेट, सामान्यतः संक्षिप्त डीईएचपी है, सूत्र सी₆एच₄(सी₈एच₁₇ओओओ)₂ के साथ एक कार्बनिक यौगिक है। यह डायोक्टायल

थैलेट के रूप में भी जाना जाता है और बाजार/व्यापार विशिष्ट में डोओपी के संक्षिप्त रूप में है। यह सबसे महत्वपूर्ण "थैलेट" है, थैलिक एसिड और 2-एथाइलेक्सानॉल की ब्रांच श्रृंखला की डायस्टर है। यह उत्पाद एक बेरंग चिपचिपा तरल है, तेल में घुलनशील है, लेकिन पानी में नहीं। यह अच्छे प्लास्टिसाइजिंग गुण से संपन्न है। कई कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पादन के नाते, डीईएचपी और डाई-2-एथाइल थैलेट सहित इसके कई नाम और परिवर्णी शब्द हैं। यह व्यापक रूप से पीवीसी आर्टिकल के विनिर्माण के लिए प्लास्टिसाइजर्स के रूप में प्रयोग किया जाता है। प्लास्टिक डीईएचपी का 1% से 40% हो सकता है। यह कैपेसिटर्स में हाइड्रॉलिक तरल और डायलेक्ट्रिक तरल के रूप में भी प्रयोग किया जा सकता है। डीईएचपी ग्लोस्टिक्स में एक साल्वेंट में रूप में प्रयोग किया जा सकता है जोकि गुण और कम लागत के लिए उपयुक्त है। यह चिकित्सा उपकरणों में जैसे कि नसों में ट्यूबिंग और बैग्स, कैथेटर, नैसोगैस्ट्रिक ट्यूब्स, डायलसिस बैग्स और ट्यूबिंग और रक्त बैग्स, ट्रांसफ्यूजन ट्यूबिंग और एयर ट्यूब्स में एक प्लास्टिसाइजर्स के रूप में इस्तेमाल किया गया। डायोक्टाइल थैलेट(डीओपी) सीमा शुल्क उप शीर्षक सं० 29173920 के अन्तर्गत सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 के तहत वर्गीकृत है।

4. जांच अवधि (पीओआई): आयातों में वृद्धि की वजह से घरेलू उद्योग को हो रही गंभीर क्षति पर आधारित यह एक ताजा मामला है। जांच अवधि का समय 2008-09 से 2011-12(तृतीय तिमाही) तक लिया गया

5. आयात में वृद्धि: डायोक्टाइल थैलेट (डीओपी) का भारत में बहुत से देशों, मुख्य रूप से कोरिया गणराज्य, ताइवान और मलेशिया से आयात किया जाता है। डायोक्टाइल थैलेट (डीओपी) के आयात घरेलू उत्पादन की तुलना को भी, पूर्ण रूप में एक वृद्धि की प्रवृत्ति को दर्शाता है। वर्ष 2008-09 से 2011-12 (तीसरी तिमाही तक) के दौरान डायोक्टाइल थैलेट(डीओपी) के आयात और घरेलू उत्पादन निम्नानुसार रहे:

वर्ष	कुल आयात (मी.टन)	घरेलू उत्पादन (मी.टन)
2008-09	40608	60242
2009-10	35210	69468
2010-11	35346	77492
2011-12(अप्रैल-दिसं.)	37450	51710
2011-12(वार्षिकीकृत)	49934	68946

आयात में वर्ष 2009-10 में 35210 मी.टन से 2010-11 में 35346 मी.टन की वृद्धि हुई है और आगे भी वर्ष 2011-12(वार्षिकीकृत) में 49934 मी.टन की वृद्धि हुई है, जो 42% की

पर्याप्त वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा, घरेलू उत्पादन से संबंधित आयात 2009-10 में 50.68% थे, जिसमें 2011-12(वार्षिकीकृत) में 72.42% की वृद्धि हुई।

6. क्षति: आवेदकों का दावा है कि निम्नलिखित कारक दर्शाते हैं कि डायोक्सायल थैलेट (डीओपी) के बढ़ते आयात की वजह से डायोक्सायल थैलेट (डीओपी) के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है:-

क) उत्पादन: वर्ष 2008-09 से 2010-11 के लिए एक बढ़ती प्रवृत्ति दिखाने के बाद घरेलू उत्पादन वर्ष 2010-11 में 77492 मी.टन. से वर्ष 2011-12(वार्षिकीकृत) तेजी से 68946 मी.टन गिर गया।

वर्ष	सूचीबद्ध	उत्पादन (मी.टन)
2008-09	100	60242
2009-10	115	69468
2010-11	129	77492
2011-12(अप्रैल-दिसं.)		51710
2011-12(वार्षिकीकृत)	114	68946

(ख) घरेलू बिक्री: घरेलू बिक्री में भी वर्ष 2010-11 में 72035 मी.टन से वर्ष 2011-12(वार्षिकीकृत) में 61912 की गिरावट आई। यह नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है:

वर्ष	सूचीबद्ध	घरेलू बिक्री (मी.टन)
2008-09	100	58880
2009-10	115	67959
2010-11	122	72035
2011-12(अप्रैल-दिसं.)		46434
2011-12(वार्षिकीकृत)	105	61912

(ग) खपत/मांग: वर्ष 2010-11 तक बिक्री में वृद्धि हुई है परन्तु उसके बाद भले ही एक ही अवधि के लिए मांग में तेजी से भारी उछाल आया। हालांकि वर्ष 2009-10 से 2011-

12(वार्षिकीकृत) तक आयात बढ़े, आयात में वृद्धि की वजह से घरेलू उद्योग के हिस्से की बिक्री प्रभावित हुई, जिसके परिणामस्वरूप क्षति हुई।

वर्ष	घरेलू बिक्री(मी.टन)	मांग (मी.टन)	आयात(मी.टन)	मांग में घरेलू उद्योग का%
2008-09	58880	99488	40608	59
2009-10	67959	103169	35210	66
2010-11	72035	107381	35346	67
2011-12(अप्रैल-दिसं.)	46434	83884	37450	55
2011-12(वार्षिकीकृत)	61912	111846	49934	55

(घ) निर्यात: घरेलू उद्योग द्वारा निर्यात में निरंतर वृद्धि हुई, वह भी हाल की अवधि तक, बढ़ते घाटे को कम करने के लिए कम कीमत में बढ़ती सूची से, खासतौर से वर्ष 2009-10 से 2011-12(वार्षिकीकृत) के दौरान। इस स्थिति से आगे मांग में वृद्धि हुई है लेकिन हाल की अवधि में घरेलू बाजार में बिक्री के शेयर में तेजी से कमी आई है।

वर्ष	घरेलू बिक्री(मी.टन)	सूचीबद्ध औसत घरेलू बिक्री कीमत(रु./किग्रा.)	निर्यात(मी.टन)	सूचीबद्ध औसत निर्यात बिक्री कीमत(रु./किग्रा.)
2008-09	58880	100	1326	100
2009-10	67959	93	1892	86
2010-11	72035	118	4274	105
2011-12(अप्रैल-दिसं.)	46434	124	6194	112
2011-12(वार्षिकीकृत)	61912	124	8258	112

(ड.) क्षमता उपयोग: घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग में हाल की अवधि में, वर्ष 2010-11 में 50% से वर्ष 2011-12(वार्षिकीकृत) 42% की कमी आई है। वर्ष 2010-11 की तुलना में, हाल ही की अवधि में क्षमता उपयोग में 8% की गिरावट आई है हालांकि स्थापित क्षमता 6.42% अतिरिक्त है।

वर्ष	स्थापित क्षमता (मी.टन)	क्षमता उपयोग %
2008-09	155750	39
2009-10	155750	45
2010-11	155750	50
2011-12(अप्रैल-दिसं.)	124313	42
2011-12(वार्षिकीकृत)	165750	42

(च) घरेलू उपभोग में घरेलू उद्योग का हिस्सा: घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा काफी गिर गया है। आवेदकों का घरेलू बाजार में वर्ष 2009-10 में बाजार हिस्सा 94% था जोकि वर्ष 2010-11 में गिरकर 91% हो गया और वर्ष 2011-12(वार्षिकीकृत) में 91% पर बना रहा।

(छ) लाभ/हानि – घरेलू उद्योग के लाभ में तेजी से ऐसी स्थिति है कि घरेलू उद्योग को अब वित्तीय घाटा उठाना पड़ रहा है। यह नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है:

वित्तीय वर्ष	लाभ (लाख रु. में)
2008-09	-1599
2009-10	471
2010-11	448
2011-12 (वार्षिकीकृत)	-4600

(ज) मालसूची – घरेलू उद्योग की औसत मालसूची में काफी वृद्धि हुई है। नीचे दी गई तालिका सूची-स्तर जो वर्ष 2009-10 में 823 मी.टन से वर्ष 2011-12(वार्षिकीकृत) 1338 मी.टन बढ़ती प्रवृत्ति के साथ, घरेलू उद्योग की दुर्दशा को दर्शाता है।

वर्ष	सूचीबद्ध	मालसूची (मी.टन)
2008-09	100	1066
2009-10	77	823
2010-11	115	1223
2011-12(अप्रैल-दिसं.)	129	1376
2011-12(वार्षिकीकृत)	126	1338

1867 GZ/12-2

7. घरेलू उद्योगों ने अपने आवेदन में रक्षोपाय के लिए तत्काल अधिरोपण का अनुरोध किया है। अन्तिम रक्षोपाय शुल्क लगाने के लिए घरेलू उद्योग का अनुरोध महत्वपूर्ण परिस्थितियों के प्रकाश में है, के बाद से अन्तिम उपाय विचाराधीन उत्पाद के आयात में वृद्धि के एक परिणाम के रूप में घरेलू उद्योग के प्रदर्शन में भारी गिरावट के मद्देनजर आवश्यक है। घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में उल्लेखनीय गिरावट और फलस्वरूप उत्पादन, क्षमता उपयोग, बढ़ती मालसूची और वित्तीय घाटे की स्थिति में लाभ में गिरावट, डायोक्टायल थैलेट (डीओपी) के आयात पर तत्काल रक्षोपाय शुल्क का औचित्य साबित होता है।

8. आवेदन की जाँच की गई और यह पाया गया कि प्रथम दृष्टया डायोक्टायल थैलेट (डीओपी) के बढ़ते आयातों के कारण डायोक्टायल थैलेट (डीओपी) के घरेलू उत्पादकों को गंभीर क्षति हुई है और ये आयातों में वृद्धि घरेलू उद्योग के लिए अपूरणीय क्षति का कारण होता है और तद्विषय, इस नोटिस के माध्यम से एक जाँच शुरू करने का फैसला किया गया है।

9. सभी हितबद्ध पक्षकार इस नोटिस की तारीख से 30 दिनों की अवधि के भीतर निम्नलिखित को अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं:

रक्षोपाय महानिदेशक
सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
द्वितीय तल, भाई वीर सिंह साहित्य सदन,
भाई वीर सिंह मार्ग, गोल मार्केट
नई दिल्ली - 110001
टेलीफेक्स: 23741542, 23741537
ई-मेल: dgsafeguards@nic.in

10. सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को अलग से लिखा जा रहा है।

11. जांच के लिए अन्य कोई पक्षकार जो हितबद्ध पक्षकार बनने का इच्छुक हो, अपना अनुरोध इस नोटिस की तारीख से 21 दिनों के भीतर महानिदेशक (रक्षोपाय) के ऊपर लिखे पते पर भेज सकते हैं।

[फा. सं. डी-22011/13/2011]

इन्द्राणी दत्त मजूमदार, महानिदेशक

DIRECTORATE GENERAL OF SAFEGUARDS**(Customs and Central Excise)****NOTICE OF INITIATION OF A SAFEGUARD INVESTIGATION****[Under Rule 6 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997]**

New Delhi, the 23rd May, 2012

Subject : Initiation of safeguard investigation concerning imports of Dioctyl Phthalate (DOP) into India.

G.S.R. 383(E).— An application has been filed before me under Rule 5 of the Customs Tariff (Identification and Assessment of Safeguard Duty) Rules, 1997 by M/s. KLJ Plasticizers Ltd, Silvassa, M/s N K Polymers & Additives Mfg Co., Daman, M/s Payal Polyplast Ltd, Daman and M/s PCL Oil & Solvents Ltd, Daman for imposition of Safeguard Duty on imports of Dioctyl Phthalate (DOP) into India to protect the domestic producers of Dioctyl Phthalate (DOP) against serious injury caused by the increased imports of Dioctyl Phthalate (DOP) into India.

2. Domestic Industry: The application has been filed by M/s KLJ Plasticizers Ltd, Silvassa, M/s N K Polymers & Additives Mfg Co., Daman, M/s Payal Polyplast Ltd, Daman and M/s PCL Oil & Solvents Ltd, Daman for imposition of Safeguard Duty on imports of Dioctyl Phthalate (DOP). The applicants, taken together, account for 91% of the total production of the said product in India.

3. Product Involved: The product under consideration is Bis (2-ethylhexyl) phthalate, commonly abbreviated DEHP, is an organic compound with the formula $C_{24}H_{38}O_4$ ($C_{12}H_{17}COO$)₂. It is also known as dioctyl phthalate and abbreviated as DOP in market/trade parlance. It is the most important "phthalate", being the diester of phthalic acid and the branched-chain 2-ethylhexanol. This product is a colourless viscous liquid, soluble in oil, but not in water. It possesses good plasticizing properties. Being produced on a massive scale by many companies, it has acquired many names and acronyms, including BEHP and di-2-ethyl hexyl phthalate. It is widely used as a plasticizer in manufacturing of articles made of PVC. Plastics may contain 1% to 40% of DEHP. It is also used as a hydraulic fluid and as a dielectric fluid in capacitors. DEHP also finds use as a solvent in glowsticks as it has suitable properties and the low cost. It has been used as a plasticizer in medical devices

such as intravenous tubing and bags, catheters, nasogastric tubes, dialysis bags and tubing, and blood bags, transfusion tubing and air tubes. Dioctyl Phthalate (DOP) is classified under Customs sub-heading No. 29173920 under the Customs Tariff Act, 1975.

4. Period of investigation (POI): This is a fresh case based on the serious injury caused by the increased imports being faced by the domestic industry. The POI has been taken from 2008-09 onwards till **2011-12 (Q3)**.

5. Increased Imports: Dioctyl Phthalate (DOP) is imported into India from a number of countries, and primarily from Republic of Korea, Taiwan and Malaysia. The imports of Dioctyl Phthalate (DOP) have shown an increasing trend in absolute terms as well as compared to the domestic production. The imports and domestic production of Dioctyl Phthalate (DOP) during 2008-09 to 2011-12 (till Q3) remained as under:

Year	Total Imports (MT)	Domestic Production (MT)
2008-09	40608	60242
2009-10	35210	69468
2010-11	35346	77492
2011-12(Apr-Dec)	37450	51710
2011-12(Annualized)	49934	68946

The Imports have increased from 35210 MT in 2009-10 to 35346 MT in 2010-11 and further to 49934 MT in 2011-12(annualized) which shows an increase of 42% which is substantial. Further the imports with respect to domestic production were 50.68 % in 2009-10 which increased to 72.42 % in 2011-12(annualized).

6. Injury: The applicants have claimed that the increased imports of Dioctyl Phthalate (DOP) have caused and are threatening to cause serious injury to the domestic producers of Dioctyl Phthalate(DOP) as indicated by the following factors:

a) *Production:* The domestic production has fallen sharply from 77492MT in 2010-11 to 68946 MT in 2011-12(annualized) after showing a rising trend from 2008-09 to 2010-11.

YEAR	Index	Production (MT)
2008-09	100	60242
2009-10	115	69468
2010-11	129	77492
2011-12(Apr-Dec)		51710
2011-12(annualized)	114	68946

(b) *Domestic sales:* Domestic sales have also declined from 72035 MT in 2010-11 to 61912 MT in 2011-12(annualized) after showing a rising trend from 2008-09 to 2010-11. This is evident from the table below:

Year	Index	Domestic Sales (MT)
2008-09	100	58880
2009-10	115	67959
2010-11	122	72035
2011-12 (Apr-Dec)		46434
2011-12(annualized)	105	61912

(c) Consumption/Demand: The sale has increased till 2010-11 but has declined thereafter sharply even though there is a surge in demand for the same period. As the import has increased from 2009-10 till 2011-12 (annualised), the increase in imports have affected the DI's share of sale, resulting in injury.

Year	DI Sale (MT)	Demand (MT)	Import(MT)	% of DI sale in Demand.
2008-09	58880	99488	40608	59
2009-10	67959	103169	35210	66
2010-11	72035	107381	35346	67
2011-12 (Apr-Dec)	46434	83884	37450	55
2011-12(annualized)	61912	111846	49934	55

(d) Exports: There has been a continuous growth in exports by the DI till the most recent period that too at lower prices in order to minimize losses due to mounting inventory, especially during 2009-10 to 2011-12 (annualized). This situation is further aggravated by increase in demand but sharp decrease in share of sale in domestic market in the most recent period.

Year	Domestic Sale(MT)	Indexed average domestic Sale price (Rs./Kg)	Export(MT)	Indexed average Export Sale price (Rs./Kg)
2008-09	58880	100	1326	100
2009-10	67959	93	1892	86
2010-11	72035	118	4274	105
2011-12 (Apr-Dec)	46434	124	6194	112
2011-12(Annualised)	61912	124	8258	112

(e) Capacity Utilization: Capacity utilization of the domestic industry has declined in the most recent period, from 50% in 2010-11 to 42% in 2011-12(annualized). As compared to

1867 GI/12-3

2010-11, the capacity utilization has further declined in the most recent period by 8 % even though there is an addition of 6.42 % in the installed capacity.

Year	Installed Capacity (MTS)	capacity utilization %
2008-09	155750	39
2009-10	155750	45
2010-11	155750	50
2011-12 (April -Dec)	124313	42
2011-12 (Annualized)	165750	42

(f) *Share of domestic industry in domestic consumption*: Market share of domestic industry has fallen significantly. The applicants had market share of 94% in 2009-10 in domestic market which fell to 91% during 2010-11 and remained at 91% in 2011-12(annualized).

(g) *Profit/loss* – the profitability of the domestic industry has steeply deteriorated to such a situation that the domestic industry is now suffering financial losses. This is evident from the table below:-

Financial Year	Profit (Rs.in lakhs)
2008-09	-1599
2009-10	471
2010-11	448
2011-12 (Annualized)	-4600

(h) *Inventories* – The average inventories with the domestic industry have increased significantly. The table below depicts the inventories level which have witnessed an increasing trend from 823 MT in 2009-10 to 1338 in 2011-12(annualized), reflecting the plight of the domestic industry.

YEAR	Index	Inventory(MT)
2008-09	100	1066
2009-10	77	823
2010-11	115	1223
2011-12(April-Dec)	129	1376
2011- 12 (annualized)	126	1338

7. The domestic industry has requested for immediate imposition of safeguard measures in their application. The domestic industry's request for imposition of provisional safeguard duty is in light of critical circumstances, since interim measures are imperative in view of steep deterioration in performance of the domestic industry as a result of increased imports of product under consideration. Significant drop in sales volumes of the domestic industry and consequently in production, capacity utilization, rising inventories and significant drop in profits to a situation of financial losses, justify immediate imposition of safeguard duty on imports of DOP.

8. The application has been examined and it has been found that prima facie increased imports of Diocetyl Phthalate (DOP) have caused and are threatening to cause serious injury

to the domestic producers of Dioctyl Phthalate (DOP) and such increase in imports has caused irreparable damage to the domestic industry and accordingly, it has been decided to initiate an investigation through this notice.

9. All interested parties may make their views known within a period of 30 days from the date of this notice to:

The Director General (Safeguards)
Bhai Vir Singh Sahitya Sadan: 2nd Floor,
Bhai Vir Singh Marg,
Gole Market, New Delhi-110 001, INDIA.
Telefax: 011-23741542/ 23741537
E-mail: dgsafeguards@nic.in

10. All known interested parties are also being addressed separately.

11. Any other party to the investigation who wishes to be considered as an interested party may submit its request so as to reach the Director General (Safeguards) on the aforementioned address within 21 days from the date of this notice.

[F.No. D-22011/13/2011]

INDRANI DUTT MAJUMDER, Director General